



प्रेरणास्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया
IAS(Retd.), पूर्व उद्योग
मंत्री हरियाणा सरकार



मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd.),
पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा
वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं
चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा



रोडवेज के बेड़े में 31 मार्च तक होंगी पांच हजार बसें :मंत्री छात्राओं के लिए शुरू होंगी पिंक बसें

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़ । हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि 31 मार्च तक हरियाणा रोडवेज के बेड़े में 5 हजार बसें हो जाएंगी। इससे आम जनता को सीधे लाभ मिलेगा।

परिवहन मंत्री ने मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने के लिए सरकार ने 1300 बसों की खरीद का फैसला लिया है। इसमें 1 हजार सामान्य बसें, 125 मिनी एसी बसें और 150 एसी बसें शामिल हैं। इन बसों की खरीद को हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में मंजूरी मिल गई है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि हरियाणा रोडवेज की 809 बसों की बाँडी भी तैयार हो रही है। अभी तक 100 बसों की बाँडी तैयार हो चुकी है, जो अलग-अलग डिपो में जा चुकी हैं। बाकी 700 बसों की बाँडी भी जल्द तैयार हो जाएगी और इनकी डिलीवरी भी जल्द मिलेगी। शर्मा ने कहा कि हरियाणा रोडवेज के बेड़े में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक बसों को भी शामिल किया जाएगा। परिवहन विभाग अगले महीने 550 इलेक्ट्रॉनिक बसों का टेंडर करने जा रहा है। उसके बाद जल्द ही इन इलेक्ट्रॉनिक बसों की खरीद की जाएगी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि स्कूल, कॉलेजों, पॉलिटेक्निक में पढ़ने वाली



बेटियाँ अब हरियाणा रोडवेज की पिंक बसों में सवारी करेंगी। इन छात्राओं के लिए विशेष तौर पर स्कूल, कॉलेजों व अन्य शैक्षणिक संस्थानों में हरियाणा रोडवेज की इन पिंक बसों को लगाया जाएगा। इन बसों की खरीद भी जल्द पूरी होगी और इन्हें हरियाणा रोडवेज के बेड़े में शामिल किया जाएगा।

अंबाला सदर नगर परिषद में विज का छापा 3 कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश

गजब हरियाणा न्यूज

अंबाला । प्रदेश के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सोमवार को नगर परिषद अंबाला सदर (अंबाला कैंट) में छापा मारा। इस दौरान विज को भारी अनियमितताएं मिलीं। उन्होंने तीन कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं।

शिकायत थी कि यहां अधिकारी समय पर नहीं आते, जिसके बाद छापा मारा गया था। हालांकि अधिकारी तो समय पर मिल गए, लेकिन नगर परिषद की अन्य विंग में जांच की तो भारी अनियमितताएं पाई गईं। इस पर विज के तेवर तीखे हो गए और कर्मचारियों की जमकर क्लास ली।

10 अक्टूबर को विज नगर परिषद अंबाला सदर कार्यालय में पहुंच गए। यहां पर पहले उन्होंने अधिकारियों के कमरों को चेक करना शुरू किया। यह देखते ही विभाग में हड़कंप की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों के कंप्यूटर, जिन पर शिकायतें आती हैं, उनको चेक करना शुरू किया। इन शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नंबर भी आनलाइन फीड थे।

इस पर विज ने इन नंबरों पर काल करके कहा मैं गृह मंत्री



अनिल विज बोल रहा हूं। आपने नगर परिषद में शिकायत दी थी, उसका क्या हुआ। जब समस्या के समाधान न होने की बात सुनी तो विज भड़क गए। उन्होंने कर्मचारियों की जमकर क्लास ली। साथ ही कहा कि नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी अपनी कार्यशैली में सुधार कर लें। जो भी शिकायतें आती हैं, उनका समाधान समय पर करें। वे दोबारा चेकिंग करेंगे। इस दौरान उन्होंने तीन कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए।

कार में आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने कार में आग लगाने के एक आरोपी को किया गिरफ्तार। थाना शाहबाद पुलिस ने कार में आग लगाने के आरोप में वाशिश हसन पुत्र अली हसन वासी माया कालोनी गुमटी थाना शाहबाद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। यह जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र श्री कर्ण गोयल ने दी। जानकारी देते हुए श्री कर्ण गोयल ने बताया कि दिनांक 13 अक्टूबर 2022 को महिन्द्र सिंह पुत्र तरलोक सिंह वासी अरुण नगर शाहबाद ने थाना शाहबाद पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने अपनी कार को अपने मकान के बाहर रात के समय खड़ा किया था। उसको उसके ताऊ के लड़के जगमोहन सिंह ने सूचना दी कि उसकी गाड़ी में आग लगी हुई है। जिस समय वह मौका पर पहुंचा तब तक उसकी कार पूरी तरह से जल चुकी थी। जिसकी शिकायत पर थाना शाहबाद में मामला दर्ज करके जांच पुलिस चौकी हुड्डा शाहबाद में भेजी गई।

दिनांक 13 अक्टूबर 2022 को थाना शाहबाद के अन्तर्गत पुलिस चौकी हुड्डा शाहबाद के प्रभारी उप निरीक्षक सहब सिंह, उप निरीक्षक मूलचन्द, हवलदार रविन्द्र कुमार व देशराज की टीम ने कार में आग लगाने के आरोप में वाशिश हसन पुत्र अली हसन वासी माया कालोनी गुमटी थाना शाहबाद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया गया।



गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । ऊना और दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलने से हरियाणा प्रदेश के नागरिकों को दीपावली के अवसर पर एक अनोखा तोहफा दिया गया है। इस तोहफे में लोगों को अब दिल्ली और हिमाचल का रेल का सफर बहुत अधिक सुगम हो गया है। इस रेल सफर को सुगम बनाने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ऊना से दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन को शुरू किया गया है। देश में केंद्र सरकार के नेतृत्व में लगातार देश में रेल नेटवर्क का तेजी के साथ लगातार विस्तार हो रहा है। इसी योजना के चलते ही ऊना से चलकर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन धर्मशेखर कुरुक्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर देर सायं वंदे भारत ट्रेन का पहुंचने पर सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने सरकार और प्रशासन की तरफ से स्वागत किया। इस ट्रेन का स्वागत करने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और लोग इस ट्रेन का स्वागत करने के लिए दोपहर 12 बजे ही रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए थे। इस ट्रेन के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज व ओमप्रकाश धनखड़ भी पहुंचे। इन सभी मेहमानों का स्टेशन पर पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागत किया गया। सांसद

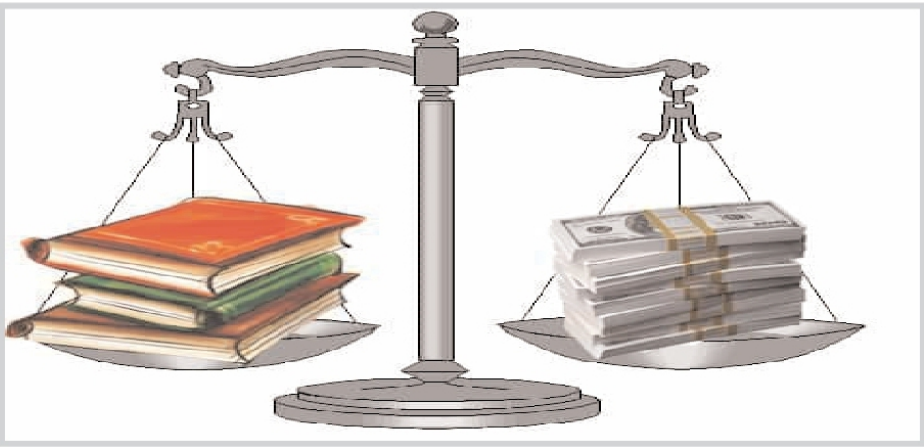
नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल नेटवर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। इसके साथ ही तेज गति की वंदे भारत ट्रेन में सफर सुगम और सुरक्षित हुआ है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात देने जा रहे हैं। यह ट्रेन ऊना और दिल्ली के बीच चलेगी। ऊना से दिल्ली के बीच चलने वाली इस वंदे भारत ट्रेन से पंजाब और हिमाचल के साथ-साथ हरियाणा के लोगों को भी खासा फायदा होगा। हरियाणा के जो लोग कामकाज के लिए दिल्ली या अन्य शहरों में जाते हैं, उन्हें इस ट्रेन के चलने से सहूलियत मिलेगी।

विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अक्टूबर की सुबह ऊना रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस ट्रेन में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तमाम कैबिनेट मंत्रियों के साथ चंडीगढ़ से अंबाला तक यात्रा की है। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर ऊना से दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन बड़ी सौगात होगी। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सफर को आरामदायक तो बनाएगी ही, साथ ही दूरी को भी कम करेगी। वंदे भारत में दिल्ली से चंडीगढ़ करीब तीन घंटे में पहुंचा जा सकेगा।

व्यापारीकरण से दूर रखें शिक्षा को

यूनेस्को ने एक बार फिर भारत में शिक्षा की स्थिति और शिक्षकों की कमी को लेकर चिंता जताई है। यह कमी इतने वर्षों से चल रही है कि जब-जब ऐसे सर्वेक्षण या विश्लेषण देश के समक्ष आते हैं तो उसमें नई बात नहीं लगती। किसी भी व्यवस्था की गतिशीलता जब भी शिथिल हो जाती है, तब उसकी बड़ी से बड़ी कमी और कमजोरी का भी सामान्यीकरण हो जाता है और उसे अलभ्य लक्ष्य के रूप में अलिखित ढंग से स्वीकार कर लिया जाता है। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है। स्कूलों व राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का पूरा उत्तरदायित्व राज्य सरकारों का है। केंद्र सरकार या उसके द्वारा स्थापित केंद्रीय नियामक संस्थाएं केवल दिशानिर्देश दे सकती हैं, पर उन पर अमल करना संघीय व्यवस्था में राज्य का अधिकार है।

स्वतंत्रता के बाद देश में शिक्षा का जितना प्रचार-प्रसार हुआ है, उसे कठिन परिस्थितियों में प्राप्त की गई बड़ी उपलब्धि माना जाना चाहिए। आज ऐसा कोई वर्ग नहीं है जो अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में न पढ़ाना चाहता हो! लेकिन दुर्भाग्य से व्यवस्था उसका साथ देने में कमजोर पड़ गई है। व्यवस्था की संवेदनहीनता का सबसे बड़ा दुष्परिणाम सरकारी स्कूलों की घटती साख है। यह देश की बौद्धिक संपदा की वृद्धि में बड़ा रोड़ा है। 21वीं सदी में कोई भी सभ्य और सतर्क देश अपने पचास प्रतिशत से अधिक बच्चों को व्यक्तित्व-विकास के अवसरों से वंचित रख कर प्रगति नहीं कर सकता है। जिन स्कूलों में छात्र और शिक्षक अनुपात उचित नहीं होगा, वहां से बच्चे केवल प्रमाणपत्र ही प्राप्त करते हैं और आवश्यक ज्ञान, कौशल व व्यक्तित्व विकास से वंचित रह जाते हैं। एक लाख स्कूलों में केवल एक शिक्षक और ग्यारह लाख शिक्षकों के पदों रिक्त होना देश में ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक माना जाना चाहिए। भारत आज इतना संसाधन-विहीन देश तो नहीं है कि वह बच्चों के लिए शिक्षा की समुचित व्यवस्था न कर सके। शिक्षकों की कमी की समस्या की जड़ें काफी गहरी हैं। इसके लिए कौन और कितना जिम्मेवार है, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त, 2015 को एक आदेश में कहा था कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अगले छह महीने में योजना तैयार करें कि कैसे सरकारी खजाने से वेतन लेने वाले हर व्यक्ति के बच्चे केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे! सभी जानते थे कि ऐसा होगा नहीं, क्योंकि एकजुट होकर संभ्रांत और सरकारी व्यवस्था इसे होने नहीं देगी! और ऐसा ही हुआ भी। यही वर्ग सरकारी स्कूलों की मौजूदा



यूनेस्को ने एक बार फिर भारत में शिक्षा की स्थिति और शिक्षकों की कमी को लेकर चिंता जताई है। यह कमी इतने वर्षों से चल रही है कि जब-जब ऐसे सर्वेक्षण या विश्लेषण देश के समक्ष आते हैं तो उसमें कोई नई बात नहीं लगती। यदि राज्य सरकारें यह उत्तरदायित्व पूरी तरह निभातीं और शिक्षा में व्यापारीकरण को बढ़ावा न देतीं तो सरकारी स्कूलों की साख कहीं बेहतर होती।

स्थिति, साख की कमी और सामान्य-जन के अविश्वास के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है। जब संभ्रांत वर्ग के बच्चों के लिए निजी स्कूल उपलब्ध हैं और वहां पढ़ाने के लिए शिक्षा-भत्तों के प्रावधान उपलब्ध हैं, तो फिर यह वर्ग सरकारी स्कूलों की फिक्र क्यों करेगा! नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के समय इस सच्चाई को स्वीकार करना सभी के और देश के हित में होगा। नई शिक्षा नीति विश्वास दिलाती है कि हर बच्चे को ऐसे स्कूल में शिक्षा मिलेगी जहां बुनियादी सुविधाएं होंगी, उचित छात्र-शिक्षक अनुपात में पूर्णकालिक, नियमित और प्रशिक्षित शिक्षक होंगे। वस्तुस्थिति यह है कि चार दशक से कई राज्यों ने नियमित पूर्णकालिक शिक्षकों की जगह विभिन्न पदनामों से अंशकालिक-अनियमित शिक्षक थोड़े से मानदेय पर नियुक्त करने का चलन बना लिया। इससे नियमित शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने के साथ नियमित पद खाली होते गए। नौकरशाही को यह

व्यवस्था बहुत रास आई। जब कोई देश शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर फैसले केवल नौकरशाहों पर छोड़ देता है तब ऐसी घातक परिस्थितियां पैदा होती हैं। देश में धीरे-धीरे शैक्षिक और अकादमिक नेतृत्व के स्थान पर सिविल सेवा के अधिकारी स्कूल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक बोर्डों, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) जैसी संस्थाओं में शीर्ष पदों पर सुशोभित होने लगे। यह क्यों होता गया, इसे जानना जरूरी है। क्या भारत की सिविल सेवा यह जिम्मेदारी स्वीकार करेगी कि आज जो विसंगतियां शिक्षकों की नियुक्तियों को लेकर उत्पन्न हुई हैं, उसकी जिम्मेवारी केवल उसकी और उसकी ही है? शिक्षकों कि नियुक्ति, पदस्थापना और प्रशिक्षण को लेकर अनेक समस्याएं समय-समय पर ध्यान आकर्षित करती रही हैं। 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करते वक्त यह तय हुआ था कि देश में कोई भी ऐसा स्कूल नहीं

होगा जिसमें कम से कम दो शिक्षक न हों। 'आपेशन ब्लैकबोर्ड' नाम की परियोजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों से आंकड़े मांगे और उसके आधार पर लगभग साढ़े पांच लाख प्राथमिक विद्यालयों को भवन निर्माण, शिक्षण सामग्री आदि के साथ एक लाख चौतीस हजार शिक्षकों की नियुक्ति के लिए धनराशि मुहैया कराई। पैसा तो केंद्र का था, मगर सारे काम तो राज्य सरकारों को ही करने थे, जिनमें शिक्षकों की नियुक्ति, विद्यालयों में कमरे बनवाना, शिक्षण सामग्री की खरीद जैसे काम शामिल थे। पर कुछ वर्ष बाद अधिकांश राज्यों को जांच समितियां बनाने को मजबूर होना पड़ा और सारी परियोजनाएं लक्ष्यों से दूर होती चली गईं।

आज संचार तकनीक ने पर्यवेक्षण में अनेक सार्थक सुधार कर दिए हैं। अब वह सब संभव हो गया है जो पहले जानना और सुधारना कठिन था। लेकिन आज भी स्कूल का ठीक से चलना अधिकारियों की ईमानदारी, कर्तव्य-निष्ठा, समर्पण के परिमाण पर ही निर्भर करता है। जन-प्रतिनिधि यदि अपने क्षेत्र में शिक्षा को प्राथमिकता दें तो प्रशिक्षित और नियमित शिक्षकों की उपस्थिति हर स्कूल में निश्चित की जा सकती है। हर स्तर पर शिक्षकों की कमी से पूरी पीढ़ी प्रभावित होती है, लेकिन सबसे अधिक गांधी जी द्वारा इंगित 'अंतिम पंक्ति' में खड़े परिवार और उनके बच्चे प्रभावित होते हैं। यह ऐसा तथ्य है जो चर्चा में आना चाहिए और जिस पर विधान सभाओं और संसद में दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर बहस होनी चाहिए।

यह ऐसी कमी है जो सामाजिक सुधार में देरी लाती है और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की गति को कुंद कर देती है। इससे समानता के अवसर प्रदान करने के संवैधानिक आश्वासन का उल्लंघन होता है, जो यही इंगित करता है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं को वह सम्मान नहीं दे पा रहे हैं जिसके वे हकदार हैं। भारत के पुनर्निर्माण का सपना देखने वाले मनीषियों का सपना था कि शिक्षा के प्रकाश से भारत में सुनहरी सुबह लाई जा सकेगी और उसके लिए हर भारतवासी को समुचित अवसर प्रदान करने का कोई अन्य विकल्प है ही नहीं। इसका सबसे ज्वलंत प्रमाण संविधान में निहित वह प्रावधान है जिसमें राज्य यानी सरकार से यह अपेक्षा की गई थी कि चौदह वर्ष तक के हर बच्चे के लिए निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करना उसका उत्तरदायित्व होगा।

जरनैल रंगा

साइबर अपराधियों से बचाव के लिए पुलिस कर रही जनता को जागरूक : निर्मल सिंह

साइबर जागरूकता माह के दौरान पुलिस द्वारा लोगों को शिविर लगाकर किया जा रहा जागरूक लोगों से की अपील, किसी अनजान को ना दें अपना निजी डाटा और ना ही रिसीव करें अनजान व्यक्ति की कॉल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । थाना सदर प्रभारी निरीक्षक निर्मल सिंह ने कहा है कि साइबर अपराधी क्राइम करने के लिए नए नए तरीके ढूंढ रहे हैं। जागरूकता के अभाव में आम जन साइबर अपराधियों का शिकार हो रहे हैं और जिसके चलते आम जन को नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अगर हम साइबर अपराधियों के बारे में जागरूक होंगे तो हम साइबर अपराधियों से बच पाएंगे। बशर्ते कि इसके लिए हमें चौकस रहना होगा और ऐसा होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें। कॉल करने पर उनका पैसा सुरक्षित उनके पास पहुंच जाएगा। वे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

थाना सदर प्रभारी निर्मल सिंह ने बताया कि अक्तूबर माह साइबर जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। पुलिस द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए बैठकें आयोजित की जा रही हैं। लोगों को विभिन्न तरीकों से साइबर अपराधियों से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इतना ही नहीं स्कूल व कालेज में साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से स्कूली छात्र और कालेज के छात्रों को साइबर अपराधियों के बारे में जानकारी देने और उनसे बचने के बारे में तरीके बताते हुए उन्हें जागरूक किया जा रहा है। इतना ही नहीं टैक्सी चालकों के बीच जाकर पुलिस टीम उन्हें जागरूक कर रहे हैं। पुलिस का एक ही प्रयास है कि आम जन को साइबर अपराधियों के चुंगल से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति साइबर अपराध का शिकार होता है तो तुरंत उसे 1930 पर कॉल करनी चाहिए और साथ में इसकी नजदीकी थाने व चौकी में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। नेशनल साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दें। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति को साइबर अपराध से बचने के लिए पुलिस की ओर



से जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया के दिशा निर्देश के तहत पुलिस कर्मी अपने अपने क्षेत्र में जाकर साइबर अपराधियों से बचने के लिए आम जन को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम करने वाले अपराधी बहुत चालाकी से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और उनका पैसा लूट जाते हैं। अगर आम जन जागरूक होगा तो वे इन साइबर अपराधियों से बच पाएंगे। उन्होंने बताया कि थाना सदर पुलिस साइबर जागरूकता माह के दौरान जगह जगह जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को साइबर क्राइम से बचने के बारे में जागरूक कर रही है। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे ऐसा होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें। इसके साथ साथ अनजान व्यक्ति का फोन रिसीव ना करें और ना ही अपना निजी डाटा व जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को ना दें।

चुनाव के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारियों के तबादले पर रोक : हुड्डा

कहा – जरूरी होने पर लेनी होगी राज्य चुनाव आयोग से स्वीकृति

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग हरियाणा के निर्देशानुसार पंचायती राज चुनाव को देखते हुए निर्णय लिया गया है कि चुनाव कराने के लिए प्रतिनियुक्त या इन चुनावों के संचालन से संबंधित राज्य सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों को पंचायती



राज के चुनाव परिणाम घोषित होने तक

स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जनहित में यदि किसी अधिकारी एवं कर्मचारी का स्थानांतरण करना आवश्यक समझा जाता है तो इसकी अनुमति राज्य चुनाव आयोग से लिखित में स्वीकृत करवानी होगी।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों को 'गजब हरियाणा' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। 'गजब हरियाणा' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। लेखकों के विचार अपने हैं। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रेस का कोई लेना देना नहीं है।
- समाचार पत्र से सम्बंधित किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नहीं होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि व्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नहीं करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नहीं होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

कैथल में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या आरोपी बोला- वो शोर मचा रही थी, मैंने गला दबा दिया

8 अक्टूबर दोपहर 3 बजे से 7 साल की बच्ची घर से गायब थी। अंतिम बार परिजनों ने उसे घर के बाहर खेलते हुए देखा था, उसके बाद वह सांय तक घर नहीं आई तो परिजनों ने बच्ची की तलाश शुरू की, लेकिन बच्ची तो नहीं मिली लेकिन उसका अधजला शव बीहड़ में मिला। हत्या की सुचना पाकर राजयमंत्री कमलेश ढांडा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से दुःख व्यक्त किया है।



गजब हरियाणा न्यूज
कैथल । हरियाणा के कैथल जिले से 8 अक्टूबर की दोपहर को लापता हुई मासूम बच्ची अब इस दुनिया में नहीं रही, उसका शव गांव के तालाब के निकट बीहड़ में अधजली अवस्था मे मिला है। एक पड़ोस के ही युवक ने पहले रेप किया और फिर पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर दी। शव को खुर्द-बुर्द करने के लिए बाद में पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

इससे पहले सूचना के बाद से ही पूरा पुलिस प्रशासन व ग्रामीण 7 साल की बच्ची को ढूंढने में लगे थे, लेकिन 9 अक्टूबर दोपहर बाद तक भी उसका कोई पता नहीं लग पाया था। हर किसी को अनहोनी का दर सता रहा था और हुआ भी वहीं लगभग तीन बजे के आसपास सर्च अभियान के तहत गांव के लोगों ने पास ही बीहड़ में एक अधजला शव देखा। जिसके बाद कपड़ों से पुष्टि हुई की ये लाश मासूम बच्ची की ही है।

जब सीसीटीवी खंगाली गई तो उसमे पड़ोस में रहने वाले पवन नाम के एक आरोपी के साथ बच्ची जाती दिखाई दी थी। पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में एक युवक बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। जिसकी

पहचान के बाद कैथल सीआईए की टीम ने युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और पूछताछ में जिसने बच्ची की रेप के बाद हत्या को कबूल किया।

कैथल एसपी मकसूद अहमद ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी और कहा की 8 अक्टूबर को एक 7 साल की बच्ची गायब हो गई थी, जिसके बाद लगभग 150 पुलिस कर्मियों के साथ सभी आलाअधिकारी बच्ची के सर्च अभियान में लगे। 9 अक्टूबर को झाड़ियों से बच्ची का अधजला शव बरामद किया गया। पुलिस को कुछ सीसीटीवी फुटेज हाथ लगी थी जिसमे एक पड़ोस का ही युवक पवन उसे बीहड़ की तरफ ले जाता दिखाई दिया।

पुलिस ने उसको गिरफ्तार करके उससे पूछताछ की जिसने पूछताछ में कबूल किया की मानसी अक्सर उसके पास खेलने के लिए आ जाती थी। जिसका फायदा उठाकर वो मानसी को खेलने के बहाने बीहड़ की तरफ ले गया। जहां उसने उसके साथ दरिंदगी की और जब उसने शोर मचाया तो उसका मुंह दबाकर उसकी सांसे बंद कर दी। उसके बाद आरोपी शव को छोड़कर चला गया लेकिन उसने बाद में सबूत नष्ट करने की सोची और पेट्रोल लाकर के शव को जला दिया।

बसवा ने किया जन शिक्षा अधिकार मंच के प्रदर्शन का समर्थन

गजब हरियाणा न्यूज
कैथल । बसवा टीम भी 16 अक्टूबर को जन शिक्षा अधिकार मंच द्वारा लघु सचिवालय पर किए जाने वाले प्रदर्शन व सभा में जोरदार भागीदारी करेंगी । यह निर्णय बसवा टीम की प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा लिया गया । अमन कुतुबपुर ने बताया कि बसवा टीम लगातार जनकल्याण के मुद्दों शिक्षा व स्वास्थ्य जनता को सस्ते में गुणवत्तापूर्ण मिले इन पर अपनी आवाज बुलंद करते हुए मांग करती रहती है । बसवा टीम हरियाणा अनेक जिलों में 40 पुस्तकालय में सहयोग कर चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार काली शिक्षा नीति के निर्देशन में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली रख रही है और कम छात्र संख्या के नाम पर स्कूलों का मर्ज कर उन्हें बंद करने का काम कर रही है। सरकार चिराग योजना के तहत निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। इन नीतियों



का विरोध करने वाले अध्यापक नेताओं पर संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज कर रही है। उन्होंने कहा की अगर मास्टर सुरेश द्रविड़ पर दर्ज मुकद्दमा खारिज नहीं किया गया तो बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया की हरियाणा प्रदेश की पुरी टीम 16 अक्टूबर को कैथल में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होगी।

संत मनदीप दास जी करेंगे श्री गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का गुणगान 29 अक्टूबर को सरायसुखी में सजेगा कीर्तन दरबार

गजब हरियाणा न्यूज
कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास सभा एवं डॉ भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण सोसाइटी द्वारा अमृतवाणी श्री गुरु रविदास जी महाराज की छत्रछाया में रविदासिया धर्म को समर्पित कीर्तन दरबार 29 अक्टूबर दिन शनिवार को गांव सरायसुखी में सजाया जा रहा। जिसमे डेरा श्री गुरु रविदास धर्म अस्थान सिरसगढ़ के प्रबंधक एवं रविदासिया धर्म के मुख्य प्रचारक संत मनदीप दास जी संगत को निहाल करेंगे। इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में संगत पहुंचकर अमृतवाणी को नमस्कार



करेंगी।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने नहीं बदली मानसिकता इस बार मनाएंगे काली दीवाली : मनोज चहल

रोडवेज एससी इंप्लाइज संघर्ष समिति की बुधवार को हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में लिया फैसला अगर नहीं मिला इंसाफ तो सामूहिक रूप से इस्तीफे देंगे संघर्ष समिति के पदाधिकारी व कर्मचारी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा
कुरुक्षेत्र । रोडवेज एससी इंप्लाइज संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनोज चहल ने ऐलान किया है कि अगर परिवहन विभाग के अधिकारियों ने जातिगत मानसिकता नहीं छोड़ी और समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ झूठे मुकदमे वापिस नहीं लिए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो संघर्ष समिति इस बार काली दीवाली मनाएगी। श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में पहुंचे सभी डिपों के पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने एकसुर में समिति के प्रदेशाध्यक्ष मनोज चहल के फैसले का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि वे उनके साथ हैं। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष मनोज चहल ने कहा कि परिवहन विभाग में जातिवाद चरम सीमा पर पहुंच गया है। अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। कर्मचारी जातिवादी मानसिकता का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोहतक डिपो के पूर्व महाप्रबंधक विकास नरवाल ने परिवहन विभाग के निदेशक वीरेंद्र दहिया के कहने पर जातिवाद प्रताड़ना के चलते संघर्ष समिति के सदस्यों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराए, जिसके चलते विभाग में नौकरी करना मुश्किल हो गया है। राज्य महासचिव संदीप बोध ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकारी सोची समझी साजिश के तहत एससी कर्मचारियों को प्रताड़ित करने के साथ साथ उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संयुक्त महासचिव विजय कुमार ने कहा कि अगर परिवहन विभाग के अधिकारियों ने अपनी मानसिकता नहीं बदली तो एससी वर्ग के कर्मचारियों को मजबूरन इस्तीफे देने पड़ेंगे।

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ हरियाणा इकाई की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

महापीठ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सूरजभान कटारिया और प्रदेशाध्यक्ष हितेंद्र चौधरी ने की नए पदाधिकारियों की घोषणा मान सिंह को सौंपी गई प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी, महिपाल फुले बने महापीठ के जिलाध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा
कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ की हरियाणा इकाई की बैठक शुक्रवार को पिपली विश्राम गृह में महापीठ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सूरजभान कटारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में हरियाणा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष हितेंद्र चौधरी ने महापीठ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सूरजभान कटारिया से विचार विमर्श कर संगठन को और अधिक मजबूती और तेजी लाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों की घोषणा की।

हितेंद्र चौधरी ने बताया कि महापीठ के जिला अध्यक्ष मान सिंह को महापीठ की हरियाणा इकाई का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ-साथ उन्हें कुरुक्षेत्र जिले का भी प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा समाजसेवी और महापीठ के साथ लंबे अरसे से जुड़े महिपाल फुले अमीन को महापीठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं परिवहन विभाग से सेवानिवृत्त रामकरण जटिया को महापीठ में कुरुक्षेत्र जिले का महामंत्री नियुक्त कर उन्हें संगठन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी नवनियुक्त



पदाधिकारियों को श्री गुरु रविदास विद्यापीठ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सूरजभान कटारिया ने गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया और उनकी इस नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। सूरजभान कटारिया ने कहा कि श्री विश्व गुरु रविदास महापीठ श्री गुरु रविदास जी के संदेशों को समाज के लोगों तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। प्रदेश ही नहीं देश के कई हिस्सों में श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ की कार्यकारिणी काम कर रही हैं। इन राज्यों में श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। महापीठ का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों को श्री गुरु रविदास के संदेश और संविधान निर्माता

बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को आह्वान किया कि वे श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को महापीठ के साथ जोड़ें और समाज के लोगों के बीच जाकर उन्हें श्री गुरु रविदास महापीठ द्वारा चलाए गए अभियान के बारे में बताएं। इस मौके पर बी.के भास्कर, राजपाल, लक्ष्मीचंद फुले अमीन, गुरदयाल सिंह मोरथला, गुरनाम सिंह मोरथला, रोहित फुले, बलदेव सिंह, गुरनाम गोगपुर, जीवा राम, मनोज कुमार, सोमनाथ आदि मौजूद रहे।

मुख्य डाकघर में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन कुलवंत सिंह ने प्रथम व जसपाल कौर ने प्राप्त किया दूसरा स्थान

गजब हरियाणा न्यूज
कुरुक्षेत्र । मुख्य डाकघर के प्रांगण में 10 अक्टूबर को डाक सप्ताह के चलते डिविजन के कर्मचारियों का पीएलआई, आरपीएलआई के संदर्भ में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका संचालन प्रवीण अरोड़ा सहायक अधीक्षक के साथ साथ विकास रल्हन सहायक अधीक्षक, विकास अरोड़ा डाक निरीक्षक, ऋगु बरकी, श्रुति जैन, सुनीता ने किया। प्रतियोगिता का मुख्य केंद्र पोस्टल लाइफ बीमा व ग्रामीण पोस्ट लाइफ बीमा पर आधारित प्रश्नों पर था। जिसमे बहुत से कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में कुलवंत सिंह ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर ने सर्वाधिक अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया और जसपाल कौर दूसरे स्थान पर रहें। तारा चंद शर्मा अधीक्षक डाकघर ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



कुरुक्षेत्र डिपो के प्रधान गुरदास सिरोही ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि अगर विभाग में जातिवाद की मानसिकता का यही हाल रहा तो कर्मचारी चंडीगढ़ जाकर सामूहिक रूप से इस्तीफे देकर अपना विरोध जताएंगे और इस बार रोडवेज एससी इंप्लाइज संघर्ष समिति के पदाधिकारी व कर्मचारी काली दीवाली मनाने का काम करेंगे।

इस मौके पर राज्य उप प्रधान माया राम, करनाल डिपो प्रधान मेहर सिंह, यमुनानगर डिपो प्रधान गुरजीत सिंह, कैथल से आनंद कुमार, सिरसा से राजपाल, जींद डिपो प्रधान कर्मवीर रंगा, अंबाला डिपो से भीम सिंह, नारनौल से सुंदर सिंह, संगठन के वरिष्ठ नेता सुरेश कुमार, रोहतक डिपो से राजेश कुमार, सतीश कुमार और राजकपूर, जसमेर सिंह, संदीप सिरोही, संजीव फूले, जय कुमार, संजीव कुमार, रमन कुमार व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



हर दिन करवा चौथ	बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की कलम से
जिनके सच्चे प्यार ने, भर दी मन की थोथ । उनके जीवन में रहा, हर दिन करवा चौथ ।। हम ये सीखें चाँद से, होता है क्या प्यार । कुछ कमियों के दाग से, टूटे न ऐतबार ।। मन ने तेरा व्रत लिया, हुई चाँदनी शाम । साथी मैंने कर दिया, सब कुछ तेरे नाम ।। मन में तेरा प्यार है, आँखों में तस्वीर । हर लम्हे में है छुपी, बस तेरी तासीर ।। अब तो मेरी कलम भी, करती तुमसे प्यार । नाम तुम्हारा ही लिखे, कागज पर हर बार ।। मन चातक ने है रखा, साथी यूँ उपवास । बुझे न तेरे बिन परी, अब ‘सौरभ’ की प्यास ।। तुम राधा, मेरी बनो, मुझको कान्हा जान । दुनिया सारी छोड़कर, धर लें बस ये ध्यान ।। मेरे गीतों में बसी, बनकर तुम संगीत । टूटा हुआ सितार हूँ, बिना तुम्हारे मीत ।। माने कब हूँ प्यार ने, ऊँच-नीच के पाश । झुकता सदा ज़मीन पर, सजदे में आकाश ।।	बुद्धिजीवी वर्ग वह है जो दूरदर्शी होता है सलाह दे सकता है और नेतृत्व दान कर सकता है। किसी भी देश की अधिकांश जनता विचारशील एवं क्रियाशील जीवन व्यतीत नहीं करती। ऐसे लोग प्रायः बुद्धिजीवी वर्ग का अनुकरण और अनुगमन करते हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि किसी देश का संपूर्ण भविष्य उसके बुद्धिजीवी वर्ग पर निर्भर होता है। यदि बुद्धिजीवी वर्ग ईमानदार स्वतंत्र और निष्पक्ष है तो उस पर यह भरोसा किया जा सकता है कि संकट की घड़ी में वह पहल करेगा और उचित नेतृत्व प्रदान करेगा। यह ठीक है कि प्रज्ञा अपने आपमें कोई गुण नहीं है। यह केवल साधन है और साधन का प्रयोग उस लक्ष्य पर निर्भर है जिसे एक बुद्धिमान व्यक्ति प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। बुद्धिमान व्यक्ति भला हो सकता है लेकिन साथ ही वह दुष्ट भी हो सकता है। उसी प्रकार बुद्धिजीवी वर्ग उच्च विचारों वाले व्यक्तियों का एक दल हो सकता, जो सहायता करने के लिए तैयार रहता है और पथ भ्रष्ट लोगों को सही रास्ते पर लाने के लिए तैयार रहता है।



नोट: इस अंक से, हम विद्यार्थियों के लाभार्थ, अंग्रेजी सीखने के लिए नया कॉलम शुरू कर रहे हैं। जिसमे अंग्रेजी के अनुभवी डॉ रणजीत सिंह फुलिया द्वारा तैयार किया गया है।

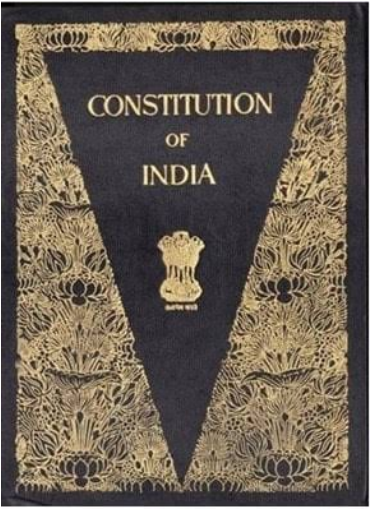
LEARN ENGLISH(Part - 1)

Some teachers ask me : How to teach English to students? First of all, assess their current level and then advise them as to how they can improve. Teach them to use proper words and their spellings. Many students misspell English words --cheek, heel, forehead, tongue, grammar, breadth, niece, district, administration, country, height, twelfth, discipline, tuition, daughter etc. Using correct spelling should be their top priority. Various subjects-- Economics, Mathematics, Science, Arithmetic, Geography, Psychology, Geography etc.should be spelled correctly.

Teach them Three Persons (personal pronouns) on the board and inspire them to read and recite collectively. Parts of human body, Change of Number and Change of Gender should also be revised. Inspire students to share, what they learn, with other students in their contact . They must be inspired to come forward and participate by answering on the board.This will have a very positive effect and a boost to their self- confidence.Then, also teach them Noun, Pronoun, Adjective, Verb, Preposition etc. Once they learn conjugation of verbs, they can be taught Tenses and Translation. Appreciate their learning spirit and inspire them to enhance their communication skills-- reading, writing and speaking. With your guidance and good wishes, they will be ready to take flight for a golden future.

Dr. Ranjit Singh Fuliya

भारतीय संविधान के भाग और अनुच्छेद– 124 से 147
अध्याय 4. संघ की न्यायपालिका अनुच्छेद 124 : उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन अनुच्छेद 125 : न्यायाधीशों का वेतन अनुच्छेद 126 : कार्य कार्य मुख्य न्याय मूर्ति की नियुक्ति अनुच्छेद 127 : तदर्थ न्यायमूर्तियों की नियुक्ति अनुच्छेद 128 : सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की उपस्थिति अनुच्छेद 129 : उच्चतम न्यायालय का अभिलेख नयायालय होना अनुच्छेद 130 : उच्चतम न्यायालय का स्थान अनुच्छेद 131 : उच्चतम न्यायालय की आरंभिक अधिकारिता अनुच्छेद 25 : 132 कुछ मामलों में उच्च न्यायालयों से अपीलों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता अनुच्छेद 133 : उच्च न्यायालयों में सिविल विषयों से संबंधित अपीलों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता अनुच्छेद 134 : दांडिक विषयों में उच्चतम
न्यायालय की अपीली अधिकारिता अनुच्छेद 134क: उच्चतम न्यायालय में अपील के लिए प्रमाणपत्र अनुच्छेद 135 : विद्यमान विधि के अधीन फेडरल न्यायालय की अधिकारिता और शक्तियों का उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रयोक्तव्य होना अनुच्छेद 136 : अपील के लिए उच्चतम न्यायालय की विशेष इजाजत अनुच्छेद 137 : निर्णय एवं आदेशों का पुनर्विलोकन अनुच्छेद 138 : उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता की वृद्धि अनुच्छेद 139 : कुछ रिट निकालने की शक्तियों का उच्चतम न्यायालय को प्रदत्त किया जाना अनुच्छेद 139क: कुछ मामलों का अंतरण अनुच्छेद 140 : उच्चतम न्यायालय की आनुषंगिक शक्तिया अनुच्छेद 141 : उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विधि का सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होना अनुच्छेद 142 : उच्चतम न्यायालय की डिक्रियों और आदेशों का प्रवर्तन और



प्रकटीकरण आदि के बारे में आदेश

अनुच्छेद 143 : उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति

अनुच्छेद144 : सिविल एवं न्यायिक पदाधिकारियों द्वारा उच्चतम न्यायालय की सहायता

अनुच्छेद 145 : न्यायालय के नियम आदि

अनुच्छेद 146 : उच्चतम न्यायालय के अधिकारी और सेवक तथा व्यय

अनुच्छेद 147 : निर्वचन

निजस्वरूप आत्मतत्त्व का ज्ञान–ध्यान एवं बोध ही एक विकल्प : स्वामी ज्ञाननाथ आलौकिक आनंद का नाम आत्म रस : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा जैसे तीर्थ प्यास को बुझाने के लिए सिर्फ और सिर्फ पानी ही एक विकल्प है। ठीक इसी प्रकार से सबकुछ करने में समर्थ इस एकरस पारब्रह्म जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा का दर्शन–दीदार और प्रत्यक्ष में अनुभव करने के लिए सिर्फ निजस्वरूप आत्मतत्त्व का ज्ञान–ध्यान एवं बोध ही एक विकल्प है। जब आत्मवेत्ता सतगुरु की कृपा से इस परमसत्ता का साक्षात्कार हो जाता है तो मन के आधार पर की गई सभी कल्पनाएं, नाकारात्मक दृष्टिकोण, संशय, मूढ़ मान्यताएं, अनाप–शनाप बाहरमुखी कर्मकांड, अंधविश्वास, लौकिक शब्दों के आधार पर निरर्थक बहसबाजी और अज्ञानता–अविद्या स्वतः ही समाप्त हो जाती है और जिज्ञासु सहज में अपनी मंजिलेमकशुदा को हासिल कर लेता है। यह ओत–प्रोत परमतत्त्व सत–चेतन–आनंद, निर्गुण–निराकार, प्रेम–ज्ञान और आनंद स्वरूप है। इस आलौकिक आनंद का नाम आत्म रस है। अध्यात्मिक दृष्टिकोण से रस दो प्रकार का होता है। लौकिक और आलौकिक रस। भौतिक पदार्थों के रस को

लौकिक और आत्म आनंद के रस को आलौकिक रस कहते हैं। लौकिक रस क्षणिक होता है परंतु आलौकिक रस अजर–अमर, पावन–पवित्र और हमेशा बरकरार रहने वाला होता है। इस पारब्रह्म परमेश्वर का स्वरूप आलौकिक रस स्वरूप है। इसीलिए किसी भी तरह वाणी या फिर फिर किसी अन्य तौर–तरीके से वर्णन नहीं किया जा सकता। संसार के सभी रस बदलने वाले हैं और अंततः समाप्त होने वाले हैं परंतु परात्पर रस हमेशा रहने वाला है। जब साधक प्रियतम पिता परमात्मा और इसके साक्षात प्रतिनिधि समय के आत्मवेत्ता सतगुरु को अन्नयभाव और आर्तभाव से पुकारता है और अपनी सलामती की गुहार लगाता है तो यह कृपालु–दयालु एकरस, तीनों कालों में सच जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा ऐसे ज्ञानवान महापुरुषों का कभी भी दामन नहीं छोड़ता बल्कि उनको अंगसंग सहाई होकर दिखा देता है।

जब भक्त भगवान से मन,वचन और कर्म से प्रेम करता है तो यह परमसत्ता भी ऐसे जिज्ञासु से कई गुना प्यार करता है। साधक को हमेशा विवेक से विचार और आत्मचिंतन करना चाहिए और भलिभाति समझना चाहिए कि साकारात्मक विचारों में अदभुत शक्ति होती है। सकारात्मक विचारों और शुभ भावनाओं का सहारा लेकर नकारात्मक विचारों को अंतः करण से तुरंत



निकालना चाहिए और अंतस में सकारात्मक विचारों का सृजन करना चाहिए। साकारात्मक सोच और आत्मचिंतन से निश्चय ही जीवन का अंदर–बाहर से रूपांतरण होगा। जीवन की दशा और दिशा दोनो बदलेंगी और हर तरह की पराधीनता पर विराम लग जाएगा। तभी जीव अपने आपको स्वतंत्र महसूस करेगा। ऐसा साधक दूसरों के उपर निर्भर नहीं होगा बल्कि आत्मनिर्भर होगा। वह निश्चय कर लेगा कि मेरा नाकारात्मक विचारों से कोई लेना–देना नहीं है, मैं पंचभौतिक शरीर, मन, बुद्धि, चित और अंहकार से पार एवं परे पवित्र, स्वतंत्र और अपने आप में परिपूर्ण आत्मा है। धैर्य और संतोष मेरा बल है और सहारा मेरा सबल है।

आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी निःशुल्क योजना : शिक्षा मंत्री

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । हरियाणा सरकार में शिक्षा, वन व पर्यटन मंत्री कंवरपाल ने अपने जगाधरी कार्यालय में विभिन्न गांवों से आए हुए लोगों को बताया कि बीते 8 वर्षों में जहां भाजपा मोदी सरकार ने देश में विकास का एक नया मॉडल खड़ा किया है, वहीं पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए भी 200 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज देश में बनाए गए हैं। भाजपा की सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए 6 मोर्चों पर एक साथ काम कर रही है। पहला प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को बढ़ावा देना , दूसरा गांव–गांव में छोटे और आधुनिक अस्पताल खोलना, तीसरा शहरों में मेडिकल कॉलेज और मेडिकल रिसर्च वाले बड़े संस्थान खोलना, चौथा देशभर में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या में वृद्धि, पांचवा मरीजों को सस्ती दवाइयां, सस्ते उपकरण उपलब्ध कराना, छठा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मरीजों को होने वाली मुश्किलों को कम करना। उन्होंने कहा कि केंद्र भाजपा सरकार देश के हर जिले में कम से कम एक मेडिकल

कॉलेज के लक्ष्य पर काम कर रही है। हेल्थ इन्फ्राट्रकर मिशन के तहत आयुष्मान भारत योजना 64 हजार करोड़ रुपए की लागत से जिला स्तर पर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश में केवल 7 एम्स थे, लेकिन अब यह संख्या 21 हो गई है। भाजपा मोदी सरकार ने देश भर में लगभग 40 विशिष्ट कैंसर संस्थानों को मंजूरी दी है, जिनमें से कई अस्पतालों ने पहले ही सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है।

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि अस्पताल बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी पर्याप्त संख्या में अच्छे डॉक्टरों का होना व दूसरे पैरामेडिकल स्टाफ का उपलब्ध होना भी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भी देश में मिशन मोड पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले देश में 400 से भी कम मेडिकल कॉलेज थे, यानी 70 साल में 400 से भी कम मेडिकल कॉलेज वहीं, बीते 8 साल में 200 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज देश में बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने 5 लाख से अधिक आयुष डॉक्टरों को



एलोपैथिक डॉक्टरों के समान मान्यता दी है और इससे भारत में डॉक्टर और रोगी के अनुपात में सुधार लाने में मदद मिली है। आयुष्मान भारत में गरीबों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाता है और इसके परिणाम स्वरूप अब तक 3.5 करोड़ मरीजों का इलाज हो चुका है। उन्होंने कहा कि 3.5 करोड़ रोगियों में से कई कैंसर जैसी घातक बीमारी से ग्रस्त थे। आयुष्मान भारत योजना से मरीजों के करीब 40 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि कैंसर के इलाज के लिए 500 से अधिक दवाओं की कीमत में 90 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है, जिससे 1000 करोड़ रुपए की बचत हुई है।

अमृतवाणी

अमृतबाणी

श्री गुरू रविदास जिओ की

रविदास जउ अति पवित है सोई सुदर जान ।।

जउ कुकरमी असुध जन जिन्हें न सूदर जान ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र

अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि जो

जीव बहुत ही पवित्र जीवन व्यतीत करता है उसको

शूद्र भाव शुद्ध जानना चाहिए । जिसके करम भी बुरे

हो और जीव भी अपवित्र हो उसको शूद्र भाव शुद्ध

नहीं जानना चाहिए ।

धन गुरुदेव जी

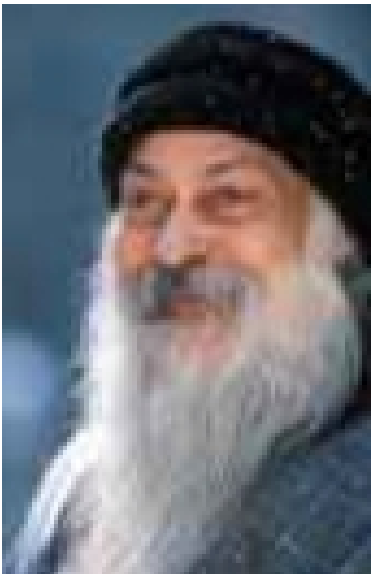
जन्म और मृत्यु जीवन के दो पंख

ध्यान रहे, प्रतिपल कुछ मर रहा है। ऐसा मत सोचना, जैसा लोग सोचते हैं कि सत्तर साल के बाद एक दिन आदमी अचानक मर जाता है। यह भी कोई गणित हुआ ? मृत्यु कोई आकस्मिक थोड़े ही घटती है। इंच-इंच आती है, रत्ती-रत्ती आती है। रोज-रोज मरते हो, तब सत्तर साल में मर पाते हो। बूंद-बूंद मरते हो तब सत्तर साल में मर पाते हो। यह जीवन का घड़ा बूंद-बूंद रिक्त होता है, तब एक दिन पूरा खाली हो पाता है। ऐसा थोड़े ही कि एक दिन आदमी अचानक जिंदा था और एक दिन अचानक मर गया ! सांझ सोए तो पूरे जिंदा थे, सुबह मरे अपने को पाया; ऐसा नहीं होता ।

जन्म के बाद ही मरना शुरू हो जाता है। इधर जन्मे, ली भीतर श्वास कि बाहर-श्वास लेने की तैयारी हो गई। फिर जन्म से निरंतर जीवन और मरण साथ-साथ चलते हैं। समझो कि जैसे दोनों तुम्हारे दो पैर हैं; या पक्षी के दो पंख हैं। न पक्षी उड़ सकेगा दो पंखों के बिना, न तुम चल सकोगे दो पैरों के बिना ।

जन्म और मृत्यु जीवन के दो पैर हैं, दो पंख हैं।

तुम एक पर ही जोर मत दो। इसीलिए तो लंगड़ा रहे हो। तुमने जिंदगी को लंगड़ी दौड़ बना लिया है। एक पैर को तुम ऐसा इनकार किए हो कि स्वीकार ही नहीं करते कि मेरा है। कोई बताए तो तुम देखना भी नहीं चाहते। कोई तुमसे कहे कि मरना पड़ेगा तो तुम नाराज हो जाते हो। तुम समझते हो यह आदमी दुश्मन है। कोई कहे कि मृत्यु आ रही है तो तुम इस बात को



स्वागत से स्वीकार नहीं करते। न भी कुछ कहो तो भी इतना तो मान लेते हो कि यह आदमी अशिष्ट है। मौत भी कोई बात करने की बात है ? मौत की कोई बात करता है ? इसलिए तो हम कब्रिस्तान को गांव के बाहर बनाते हैं, ताकि वह दिखाई न पड़े। मेरा बस चले तो गांव के ठीक बीच में होना चाहिए। सारे गांव को पता चलना चाहिए एक आदमी मरे तो। पूरे गांव को पता चलना चाहिए। चिता बीच में जलनी चाहिए ताकि हर एक के मन पर चोट पड़ती रहे। ऐसा क्यों बाहर छिपाया हुआ गांव से बिल्कुल दूर ? जिनको जाना ही पड़ता है मजबूरी में, वही जाते हैं। जो भी जाते हैं, वे भी चार आदमी के कंधों पर चढ़ कर जाते हैं, अपने पैर से नहीं जाते ।

ओशो
जिन सूत्र

सबका हित

एक दिन एक व्यक्ति बुद्ध के पास पहुँचा। वह बहुत अधिक तनाव में था। अनेक प्रश्न उसके दिमाग में घूम-घूमकर उसे परेशान कर रहे थे--जैसे आत्मा क्या है ? आदमी मृत्यु के बाद कहाँ जाता है ? सृष्टि का निर्माता कौन है ? स्वर्ग-नरक की अवधारणा कहाँ तक सच है और ईश्वर है या नहीं ? उसे इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल रहे थे।

जब वह बुद्ध के पास पहुँचा तो उसने देखा कि बुद्ध को कई लोग घेरकर बैठे हैं। बुद्ध उन सभी के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान अत्यंत सहज भाव से कर रहे हैं। काफी देर तक यह क्रम चलता रहा, किंतु बुद्ध धर्यपूर्वक हर एक को संतुष्ट करते रहे। बेचारा व्यक्ति वहाँ का हाल देखकर परेशान हो गया।

उसने सोचा कि इन्हें दुनियादारी के मामलों में पड़ने से क्या लाभ ? अपना भगवद् भजन करें और बुनियादी समस्याओं से ग्रस्त इन लोगों को भगाएँ, किंतु बुद्ध का व्यवहार देखकर तो ऐसा लग रहा था मानो इन



लोगों का दुःख उनका अपना दुःख है।

आखिर उस व्यक्ति ने पूछ ही लिया, महाराज आपको इन सांसारिक बातों से क्या लेना-देना ?

बुद्ध बोले, मैं ज्ञानी नहीं हूँ, और इनसान हूँ। वैसे भी वह ज्ञान किस काम का, जो इतना घमंडी और आत्मकेंद्रित हो कि अपने अतिरिक्त दूसरे की चिंता ही न कर सके ? ऐसा ज्ञान तो अज्ञान से भी बुरा है। बुद्ध की बातें सुनकर व्यक्ति की उलझन दूर हो गई। उस दिन से उसकी सोच व आचरण दोनों बदल गए। कथा का सार यह है कि ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब वह लोक कल्याण में संलग्न हो।

श्रमण, भिक्षु, धार्मिक कौन ?



जो दूसरों की गायें गिनने वाले ग्वाले के समान है वह श्रमण, भिक्षु, धार्मिक कहलाने का अधिकारी नहीं ।

धम्मपद – 19.
बहुं पि चे संहितं भासमानो, न तक्करो होति नरो पमत्तो ।।
गोपो ' व गावो गणयं परेस, न भागवा सामञ्जस्स होति ।।
भले ही कोई बहुत ही संहिता, धर्मग्रंथ कंठस्थ कर ले, कथावाचन कर ले, लेकिन प्रमाद-वश उसका आचरण न करे, तो वह दूसरों की गायें गिनने वाले ग्वाले के समान है. वह श्रमणत्व का भागी नहीं होता. वह श्रमण, धार्मिक कहलाने के योग्य नहीं होता ।
भले ही धर्मग्रंथ, त्रिपिटिक कंठस्थ कर लें, संगायन कर ले, पठन कर ले, ज्ञानी-विद्वान हो जाए, लेकिन ग्रंथ के विचार उसके जीवन में नहीं उतरे, वह ज्ञान उसका जीवन न बने तो उसकी विद्वता व्यर्थ है। सिर्फ जानने से कुछ नहीं होता, मानना और आचारण में उतारना जरूरी है, उन आदर्शों को जीना जरूरी है ।

धार्मिक ग्रंथों, किताबों की वाणी, उपदेशों को याद करना, पाठ करना और भाषण करना बहुत आवश्यक है लेकिन उनके विचारों के अनुसार व्यवहारिक जीवन में उतारना, अपनाना अत्यंत आवश्यक है। मन से विकारों का मैल तभी साफ होगा जब सदगुणों का व्यवहार किया जाएगा ।

महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कोई कितनी बड़ी बात कहता है महत्वपूर्ण तो यह है कि वह कितना करता है। कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए ।

ग्वाला पूरे गांव के पशुपालकों की गायों को इकट्ठा करके जंगल ले जाता है, दिनभर चराता है, गिनती रखता है फिर शाम को

लौट आता है, कहता है पांच सौ गायें चराकर लौटता हूं. लेकिन एक भी गाय उसकी नहीं होती है, वह एक गाय का भी मालिक नहीं होता. तंदुरुस्त, खूब दूध देने वाली गायें, लेकिन सब दूसरों की । फिर थोड़े समय बाद उसमें अहंकार भी आ जाता है कि वह पूरे गांव की गायें चराता है, पांच-दस गायें चराने वाले ग्वाले की उसके आगे क्या बिसात ।

इसी प्रकार जीवन की सुख शांति के उपदेशों, शिक्षाओं, वचनों से भरे ग्रंथों, संहिताओं, वाणी संग्रहों का कोई पाठ करता रहे, वाचन करता रहे, उन पर भाषण करता रहे, लेकिन प्रमाद में पड़कर लापरवाही में वह उनके अनुसार आचरण नहीं करें, तो वह दूसरों की गायें गिनने वाले ग्वाले की तरह, श्रमणत्व का भागी नहीं है, श्रमण कहलाने का अधिकारी नहीं है ।

श्रमण का अर्थ होता है जिसने श्रम करके ज्ञान को अर्जित किया है, उधार नहीं लिया, चुराया नहीं है, बासी नहीं है, जिसने अपने अनुभव से जीवन के सत्य को जाना है। श्रम से जिसने अर्जित किया है वह श्रमण कहलाता है। तथागत कहते हैं, जो दूसरों की गायें गिनने वाले ग्वाले के समान है, वह श्रमण, भिक्षु कहलाने का अधिकारी नहीं होता ।

कोई किताबों के पन्नों को पढ़े, याद रखे, रटे, पठन करे, भाषण करे और यदि वह व्यक्ति किताबों में कहे वचनों, शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है तो वही श्रमण है, वही भिक्षु है, वही धार्मिक है। जो धम्म को आचारण में उतारे, वही श्रमण है, वही भिक्षु है।

सबका मंगल हो... सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुति: डॉ. एम. एल. परिहार, जयपुर

इनको मिले 2022 के नोबेल पुरस्कार

साहित्य का नोबेल पुरस्कार इस साल फ्रेंच लेखिका एनी अर्नोक्स को ‘साहस और नैदानिक तीक्ष्णता जिसके साथ वह व्यक्तिगत स्मृति, व्यवस्थाओं और सामूहिक प्रतिबंधों को उजागर करती हैं’ के लिये दिया गया है।

फिजियोलॉजी या मेडिसिन के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार स्विडिश वैज्ञानिक स्वांते पैबो को दिया गया है। उन्हें विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम से जुड़ी खोजों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

फिजिक्स नोबेल पुरस्कार एलेन आस्पेक्ट, जॉन एफ क्लॉसर और एंटन जेलिंगर को ‘क्रांटम मेकेनिक्स’ के क्षेत्र में कार्य करने के लिए यह अवॉर्ड दिया गया। इस साल के पुरस्कार विजेताओं ने इन उलझी हुई क्रांटम अवस्थाओं का पता लगाया है, और उनके प्रयोगों ने क्रांटम प्रौद्योगिकी में वर्तमान में चल रही क्रांति की नींव रखी है।

रसायन नोबेल पुरस्कार कैरोलिन आर बर्टोजी, मॉर्टेन मेल्डल और बैरी शार्पलेस को ‘क्लिक केमिस्ट्री’ के क्षेत्र में इन्हें यह पुरस्कार अणुओं के टूटने (स्प्रिंगिंग ऑफ मॉलिक्यूल्स टुगैदर) पर किए गए काम के लिए दिया गया है। इस प्रक्रिया को क्लिक रसायन विज्ञान के रूप में जाना जाता है। ‘क्लिक’ रसायन विज्ञान जीवित कोशिकाओं की तरह अणुओं को एक साथ जोड़ने के बारे में है।

शांति नोबेल पुरस्कार बेलारूस के जेल में बंद अधिकार कार्यकर्ता एलेस बियालियात्स्की, रूसी समूह ‘मेमोरियल’ और यूक्रेन के संगठन ‘सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज’ को देने का ऐलान किया गया है। यूक्रेन के संगठन को ऐसे समय पर पुरस्कार के लिए चुना गया है जब यूक्रेन फरवरी से रूस के हमलों का सामना कर रहा है और दोनों देशों की सेनाएं कई इलाकों में आमने-सामने हो चुकी हैं।

क्या है नोबेल पुरस्कार और कैसे शुरू हुआ

नोबेल पुरस्कार दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान माना जाता है। यह पुरस्कार पाने वाले नाम दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, लेखकों, अर्थशास्त्रियों और मानवाधिकार पैरोकारों की

सूची में जुड़ जाते हैं । नोबेल पुरस्कार, अल्फ्रेड नोबेल के नाम और उन्हीं की याद में दिया जाता है । वह स्वीडन के एक मशहूर उद्योगपति थे । उन्हें डायनामाइट जैसे विस्फोटक की खोज के लिए जाना जाता है । पहला नोबेल पुरस्कार वर्ष 1901 में सर एल्फ्रेड नोबेल के निधन के पांच साल बाद दिया गया था । इसमें विजेताओं को एक स्वर्ण पदक और एक प्रमाणपत्र के साथ एक करोड़ क्रोनोर (लगभग नौ लाख डॉलर) की पुरस्कार राशि दी जाती है । 1896 में 10 दिसंबर की तारीख को ही एल्फ्रेड नोबेल का निधन हुआ था ।

नोबेल पुरस्कार क्षेत्र

नोबेल पुरस्कार कुल छह कैटेगरी (रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, मैडिकल, अर्थशास्त्र, शांति और साहित्य) में दिया जाता है।

वर्ष 1901 से 2021 के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में कुल 609 बार नोबेल पुरस्कार प्रदान किए जा चुके हैं।

शांति नोबेल पुरस्कार नॉर्वे में प्रदान किया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों के पुरस्कार स्वीडन में दिए जाते हैं।

नोबेल पुरस्कारों विजेताओं के नाम की घोषणा हर साल अक्टूबर माह में की जाती है, जबकि पुरस्कार वितरण 10 दिसंबर को किया जाता है।

भारतीय जिनको मिला नोबेल पुरस्कार

रबीन्द्र नाथ टैगोर 1913, साहित्य

डॉ. चंद्रशेखर वेंकट रामन 1930, भौतिकी

मदर टेरेसा 1979, शांति

सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर 1983, भौतिकी

डॉ. अमर्त्य सेन 1998, अर्थशास्त्र

डॉ. हरगोबिंद खुराना 1968, विज्ञान

राजेन्द्र कुमार पचौरी 2007, शांति

वेंकटरामन रामकृष्णन 2009, रसायन

कैलाश सत्यार्थी 2014, शांति

अभिजीत बनर्जी 2019, अर्थशास्त्र

क्या है सीआरपीसी(CRPC) आईए जाने

सीआरपीसी (CRPC) अंग्रेजी का शब्द है।

जिसकी फुल फॉर्म Code of Criminal Procedure (कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर) होती है। इसे हिंदी में ‘दंड प्रक्रिया संहिता’ कहा जाता है। CRPC में 37 अध्याय (Chapter) हैं, जिनके अधीन कुल 484 धाराएं (Sections) मौजूद हैं। जब कोई अपराध होता है, तो हमेशा दो प्रक्रियाएं होती हैं, एक तो पुलिस अपराध (Crime) की जांच करने में अपनाती है, जो पीड़ित (Victim) से संबंधित होती है और दूसरी प्रक्रिया आरोपी (Accused) के संबंध में होती है। सीआरपीसी (CRPC) में इन प्रक्रियाओं का ब्योरा दिया गया है। 1974 में लागू हुई थी CRPCसीआरपीसी के

लिए 1973 में कानून (Law) पारित किया गया था। इसके बाद 1 अप्रैल 1974 से दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी (CRPC) देश में लागू हो गई थी। तब से अब तक CRPC में कई बार संशोधन भी किए गए हैं।

सीआरपीसी की धारा –4

(1) भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1860 का 45) के अधीन सब अपराधों का अन्वेषण, जांच, विचारण और उनके संबंध में अन्य कार्यवाही इसमें इसके पश्चात अन्तर्विष्ट उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

(2) किसी अन्य विधि के अधीन सब अपराधों का अन्वेषण, जांच, विचारण और उनके संबंध में अन्य कार्यवाही इन्हीं उपबन्धों



के अनुसार की जाएगी किन्तु ऐसे अपराधों के अन्वेषण, जांच, विचारण या अन्य कार्यवाही की रीति या स्थान का विनिमयन करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अधिनियमित के अधीन रहते हुए की जाएगी।

सूर्य ग्रहण मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना: शांतनु

लुभावने चुनावी वादे महज वोट बटोरने के इरादे

कुरुक्षेत्र में 25 अक्टूबर को सायं 4 बजकर 27 मिनट से सायं 6 बजकर 25 मिनट तक होगा सूर्य ग्रहण, सूर्य ग्रहण मेले में श्रद्धालुओं के लिए होंगे तमाम इंतजाम, डीसी ने सूर्य ग्रहण मेले की तैयारियों को लेकर ली अधिकारियों की बैठक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में सूर्य ग्रहण मेले का आयोजन 25 अक्टूबर 2022 को सायं 4 बजकर 27 मिनट से सायं 6 बजकर 25 मिनट तक किया जाएगा। इस सूर्य ग्रहण मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की सम्भावना है। इन श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत व्यवस्था के सभी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

उपायुक्त शांतनु शर्मा शुक्रवार को एनआईसी कार्यालय के वीसी रूम में सूर्य ग्रहण मेले-2022 की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त शांतनु शर्मा ने सूर्य ग्रहण मेले को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि एडीसी को मेला प्रशासक बनाया गया है। उपायुक्त ने कहा कि सूर्यग्रहण मेले का आयोजन 25 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को ब्रह्म सरोवर व सन्निहित सरोवर की सफाई व मुरम्मत का कार्य तथा स्वच्छ जल भरवाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, अस्थाई बस स्टैंड का निर्माण करने व झांसा रोड़ पर भूमि निरीक्षण करने, मेला क्षेत्र व मेला क्षेत्र से बाहर जाने वाली सड़कों की मुरम्मत का कार्य पूरा करने, पार्किंग स्थलों पर अस्थाई निर्माण, लेवलिंग, सफाई व बेरिकेटिंग का प्रबंध करने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सूर्य ग्रहण मेले की प्रचार-प्रसार की सामग्री का वितरण करने, पब्लिक एड्रेस सिस्टम व मीडिया सेंटर, यात्रियों को लाने ले जाने के लिए अतिरिक्त बसों व रेल चलाने, मेला क्षेत्र में यात्रियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र व दवाइयों का समुचित प्रबंध, यात्रियों के लिए पीने के पानी, अस्थाई शौचालय, नगर परिषद व हुडा क्षेत्र में लाइटों, सड़को व सफाई की व्यवस्था, मेले से पूर्व व बाद में सफाई की समुचित व्यवस्था, अग्निशमन व



एंबुलेंस की समुचित व्यवस्था, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए होमगार्ड व स्वयं सेवकों की ड्यूटी लगाने, मेला के दौरान मोटर बोट, गोताखोर व तैराकों की व्यवस्था, यात्रियों की सुविधा के लिए रसोई गैस व खाद्य वस्तुएं की व्यवस्था, रेल गार्डियों का अस्थाई ठहराव व रेलवे स्टेशन पर पानी, लाईट व सफाई की व्यवस्था, शहर को बेसहारा पशुओं से मुक्त करवाना, मेला क्षेत्र में लाइट व टेंट की व्यवस्था व वीआईपी घाट पर समुचित व्यवस्था, मेले में आए यात्रियों का बीमा करवाने के प्रबंध करने के आदेश दिए हैं।

मेला प्रशासक एवं एडीसी अखिल पिलानी ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ कार्यों का ब्यौरा तैयार करेंगे और टेंडर आदि की प्रक्रिया को पूरा करेंगे। सभी अधिकारियों को सूर्य ग्रहण मेले को लेकर मेहनत और ईमानदारी के साथ काम करना है ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी और दिक्कत का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर एसपी कर्ण गोयल, एसडीएम सुरेंद्र पाल सिंह, एसडीएम सोनू राम, एसडीएम नसीब कुमार, ज़िप सीईओ अनुभव मेहता, नगराधीश एवं सीईओ केडीबी चंद्रकांत कटारिया, केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा, एनआईसी अधिकारी विनोद सिंगला, केडीबी सदस्य उषेंद्र सिंघल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गरीब महिलाओं को रोजगार देने के लिए वरदान साबित होगी संयुक्त देयता समूह योजना: सुधा

विधायक सुभाष सुधा ने संयुक्त देयता समूह के 100 ग्रामों को 2 करोड़ 8 लाख रुपए की राशि का चैक किया वितरित, दाँ कुरुक्षेत्र केन्द्रीय सरकारी बैंक लिमिटेड के प्रयासों से गरीब महिलाओं तक पहुंची योजना, बैंक ने नाबार्ड से 100 और ग्रुप बनाने का लिया लक्ष्य

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि गरीब महिलाओं को रोजगार देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त देयता समूह योजना वरदान साबित होगी। इस योजना के जरिए गरीब महिलाओं को छोटे-छोटे व्यापार करने में आर्थिक सहायता मुहैया कराई जा रही है। इतना ही नहीं दाँ कुरुक्षेत्र केन्द्रीय सरकारी बैंक लिमिटेड की तरफ से नाबार्ड के 100 महिलाओं के ग्रुप बनाने के लक्ष्य को पूरा किया गया है।

विधायक सुभाष सुधा शुक्रवार को देर सायं पंचायत भवन के सभागार में दी कुरुक्षेत्र केन्द्रीय सरकारी बैंक लिमिटेड की तरफ से नारी शक्ति सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले विधायक सुभाष सुधा, नगर परिषद की निर्वतमान अध्यक्ष उमा सुधा, को ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन राजीव गुज्जर, कॉर्पोरेटिव बैंक के महाप्रबंधक तनवीर मोर, बैंक के निदेशक तेवर खान, सुभाष बेदी, जसविन्द्र कौर, कर्मवीर सैनी, एजीएम नबाड, दीपक जाखड, एलडीएम राजीव रंजन ने केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त देयता समुह योजना के अंतर्गत महिलाओं के 100 ग्रुपों को 2 करोड़ 8 लाख रुपए की राशि का चैक वितरित किया। इस राशि से 100 ग्रुप बनाए गए हैं और प्रत्येक ग्रुप में 4 से 10 महिलाएं शामिल की गई हैं। इस कार्यक्रम में बैंक के महाप्रबंधक तनवीर मोर ने घोषणा की है कि बैंक की तरफ से 100 और ग्रुप तैयार किए जाएंगे और बैंक की तरफ से आर्थिक सहायता मुहैया करवाई जाएगी।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का सपना है कि प्रत्येक नागरिक के पास अपना रोजगार हो और सभी नागरिक अपने पैरों पर खड़े होकर अपने परिवार का पालन



पोषण करे और देश की तरक्की में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार की तरफ से संयुक्त देयता समूह योजना को अमलीजामा पहनाया और इस योजना के तहत कुरुक्षेत्र में सरकारी बैंक के अथक प्रयासों से महिलाओं के 100 ग्रुप तैयार किए गए और इन महिलाओं को छोटे-छोटे व्यापार करने के लिए 2 करोड़ 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई गई है। अब यह महिलाएं अपना रोजगार चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण सहजता से कर सकेंगे। महाप्रबंधक तनवीर मोर ने मेहमानों का स्वागत करते हुए योजना के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में नप की निर्वतमान अध्यक्ष उमा सुधा ने अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर एआर कोऑपरेटिव सोसायटी गगनदीप सिंह, एएम कुपाल सिंह, ओमप्रकाश अनेजा, विरेन्द्र कुमार, अशोक मांजू, राजबाला, अंग्रेजों देवी, धर्मवीर सिंह, नरेश कुमार, विरेन्द्र कुमार, किरण बाला आदि उपस्थित थे।

उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं के लिए एमजीएनसीआरई के पोस्टर का उपायुक्त शांतनु शर्मा ने किया शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों द्वारा छात्र स्वयं सहायता समूह बनाना उद्यमिता और कारीगरी के लिए कौशल निर्माण की दिशा में एक आवश्यक कदम है। उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं राष्ट्रीय उद्यमिता माह (19 अक्टूबर – 20 नवंबर) के दौरान उद्यमिता और कारीगरी को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। एमजीएनसीआरई ने कॉलेजों के छात्र पूर्व छात्रों के माध्यम से उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों के प्रयासों का समर्थन करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता और कारीगरी दोनों को बढ़ावा देने के लिए छात्र स्वयं सहायता समूह बनाने का आह्वान किया है।

उपायुक्त शांतनु शर्मा एमजीएनसीआरई के पोस्टर का शुभारंभ करने के उपरांत बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय व्यवसायों और स्थानीय प्रशासन के साथ इंटरनशिप और शिक्षुता में मदद करता है और युवाओं को उत्पादक कार्यों में कुशल बनाने का सबसे स्थायी तरीका है। उन्होंने

एमजीएनसीआरई के समय की आवश्यकता को सराहना करते हुए कहा कि हर उच्च शिक्षा संस्थान को व्यावसायिक शिक्षा और कौशल, ग्रामीण उद्यमिता विकास और सामाजिक उद्यमिता पर प्रकोष्ठ बनाने की जरूरत है।

एमजीएनसीआरई की विषय विशेषज्ञ आरजू तंवर ने कहा कि उद्यमिता की दिशा में छोटे कदम आर्थिक विकास और विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। कौशल, व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा युवाओं की रोजगार योग्यता का मार्ग प्रशस्त करेगी। यूनेस्को चेयर ऑन एक्सपेरिमेंटल लर्निंग वर्क एजुकेशन एंड कम्युनिटी इंगेजमेंट भारत सरकार के लिए एक सलाहकार इंटरफेस और एक पाठ्यक्रम विकास एजेंसी है। परिषद देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक जुड़ाव, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए सलाह और सुविधा, व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार के लिए कौशल, सतत विकास, स्वच्छता और ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता को आगे बढ़ाने में कार्य कर रहा है।

खाली चुनावी वादों के दूरगामी प्रभाव होंगे। जो विचार सामने आया वह यह था कि चुनाव प्रहरी मूकदर्शक नहीं रह सकता और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन पर कुछ वादों के अवांछनीय प्रभाव को नजरअंदाज कर सकता है। चुनाव आयोग ने कहा कि एक निर्धारित प्रारूप में वादों का खुलासा सूचना की प्रकृति में मानकीकरण लाएगा और मतदाताओं को तुलना करने और एक सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा। यह सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखने में मदद करेगा। इन कदमों को अनिवार्य बनाने के लिए, चुनाव आयोग की योजना आदर्श आचार संहिता में संबंधित धाराओं में संशोधन की जरूरत है।



को तुलना करने और एक सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा। यह सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखने में मदद करेगा। इन कदमों को अनिवार्य बनाने के लिए, चुनाव आयोग की योजना आदर्श आचार संहिता में संबंधित धाराओं में संशोधन की जरूरत है।

लोकतंत्र में, मुफ्त उपहारों के मार्च को अवरुद्ध करने या अनुमति देने की शक्ति मतदाताओं के पास होती है। तर्कहीन मुफ्त उपहारों को विनियमित करने और यह सुनिश्चित करने के बीच आम सहमति की आवश्यकता है कि मतदाता तर्कहीन वादों से प्रभावित न हों। संसद में रचनात्मक बहस और चर्चा मुश्किल है क्योंकि फ्रीबी संस्कृति का हर राजनीतिक दल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। इसलिए, उपायों का प्रस्ताव करने के लिए न्यायिक भागीदारी की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए उपहारों को विनियमित करने के तरीके पर सिफारिशें प्रदान करने के लिए एक शीर्ष प्राधिकरण बनाने की सिफारिश की है। लोगों को मुफ्त उपहार देने की तुलना में उपयोगी कौशल प्रदान करना हमेशा बेहतर होता है। एक नीति-आधारित विस्तृत सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम होने में कुछ भी गलत नहीं है जो गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद करता है। लेकिन इस तरह के कार्यक्रम के लिए सुविचार तैयारी की जरूरत होती है और चुनाव से ठीक पहले इसे तैयार नहीं किया जा सकता है। वित्त आयोग के प्रमुख एन के सिंह ने हाल ही में कहा था कि इस तरह की रियायतों पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा राजकोपीय आपदा के लिए त्वरित पासपोर्ट है। इसलिए, आदर्श बनने से पहले उनसे बचने की जरूरत है।

भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने आकार और कद में वास्तव में अविश्वसनीय है। लोकतंत्र में जनता ही शक्ति का अंतिम स्रोत है और इसकी सफलता और विफलता उनकी बुद्धि, चेतना और सतर्कता पर निर्भर करती है। एक सरकार लोगों और लोगों द्वारा को स्वाभाविक रूप से लोगों के लिए आदर्श शासन प्रदान करना चाहिए, लेकिन वास्तव में यह बहुत दूर है। लोकतंत्र के साथ मौल मुद्दा यह है कि मतदाता तर्कसंगत या सही मायने में सूचित विकल्प नहीं बनाते हैं। उनका राजनीतिक निर्णय लेना पूर्वकल्पित मानदंडों से प्रेरित लगता है और साथ ही तत्काल संतुष्टि के लिए एक पूर्वाग्रह है, इस प्रकार अधिकांश लोकतंत्रों को अल्पकालिक विकास पहलू पर केंद्रित रखा गया है। इस प्रकार, विभिन्न रियायतें और मुफ्त उपहार चुनाव की पवित्रता को भंग करते हैं। उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान का मतदाता के व्यक्तित्व और उनकी पसंद पर बड़ा असर पड़ता है।

चुनाव या चुनाव पूर्व अस्तित्व में मुफ्त उपहार और दान का वितरण एक गहरी अंतर्निहित परंपरा है जो लोकतांत्रिक भारत के आदी है। फ्रीबीज अक्सर नकद, रिश्तत, मुफ्त चावल, साड़ी, या कर्जमाफी का रूप ले लेता है और पार्टियों द्वारा इसका अनिवार्य अभ्यास मुख्य रूप से सभी चुनाव अभियानों में केंद्र स्तर से आगे निकल गया है। इसलिए, चुनाव पूर्व और बाद की अवधि के दौरान मतदाताओं को नकद या वस्तु के रूप में मुफ्त उपहार देने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। इस तरह की लुभावनी योजनाओं के प्रति बढ़ती संभावना वोट हासिल करने में उनकी स्पष्ट सफलता का एक कारक है, जो प्रक्रिया में वोट-बैंक का निर्माण करती है।

डॉ0 सत्यवान सौरभ, कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

देश में चुनाव के दौरान हमने अक्सर अलग अलग राजनीतिक दलों की तरफ से बड़े बड़े वादों की भरमार देखते है। जैसे फ्री लैपटॉप, स्कूटी, फ्री हवाई यात्रा, मुफ्त टीवी, मुफ्त बिजली, मुफ्त चूल्हा, जैसी लंबी फेहरिस्त में शामिल है। निर्वाचन आयोग ने अब लुभावने चुनावी वादों पर अंकुश लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। चुनावी वादों को लेकर चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को चिट्ठी लिखी है और पूछा है कि पार्टी की तरफ से चुनाव के दौरान किए जाने वाले वादों के फंड यानी वित्तीय व्यवहारिकता की जानकारी भी वोटरों को दी जानी चाहिए। चुनाव आयोग ने इस मामले में सभी दलों से राय मांगी है।

चुनाव आयोग ने सभी दलों को पत्र लिखकर कहा कि दल वोटरों को अपने वादों की सटीक जानकारी दें और बताएं कि उसके लिए वित्तीय संसाधन हैं या नहीं या कैसे जुटाए जाएंगे। जब दल वोटरों को अपने वादों के आर्थिक रूप से व्यावहारिक होने की प्रमाणिक जानकारी देंगे तो मतदाता उसका आकलन कर सकेंगे। चुनावी वादों को लेकर पूरी जानकारी वोटरों को नहीं देते और उसके देश की वित्तीय स्थिरता पर पड़ने वाले अनुचित असर को वह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आयोग का कहना है कि चुनाव के दौरान किए गए खोखले वादे देश को खोखला करते हैं इसके दूरगामी असर देखने को मिल सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह भी बताना होगा कि उनके द्वारा किए जाने वाले वादे राज्य या केंद्र सरकार के वित्तीय ढांचे के अंदर टिकाऊ हैं इसके लिए चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को पत्र लिखा है।

दलों से इस पर सुझाव देने के लिए कहा गया है। कुछ विपक्षी दल चुनाव आयोग के इस सुझाव का विरोध भी कर रहे हैं। वहीं चुनाव में फ्री स्कीम या कहें फ्रीबीज का मुद्दा अभी सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। मुफ्त के चुनावी वादों का मामला अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार के लिए तीन जजों की पीठ को सौंप दिया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर विशेषज्ञ कमेटी का गठन करना सही होगा, लेकिन उससे पहले कई सवालों पर विचार करना जरूरी है।

विभिन्न समितियों एवं आयोगों ने हमारी चुनाव प्रणाली तथा चुनावी मशीनरी के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया की जांच की है और सुधार के सुझाव दिये हैं। ये समितियां एवं आयोग हैं- तारकुंडे समिति (वर्ष 1974-75), चुनाव सुधार पर दिनेश गोस्वामी समिति (वर्ष 1990), राजनीति के अपराधीकरण पर वोहरा समिति (वर्ष 1993), चुनावों में राज्य वित्तपोषण पर इंद्रजीत गुप्ता समिति (वर्ष 1998), चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की रिपोर्ट (वर्ष 1999), चुनाव सुधारों पर चुनाव आयोग की रिपोर्ट (वर्ष 2004), शासन में नैतिकता पर वीरप्पा मोइली समिति (वर्ष 2007), चुनाव कानूनों और चुनाव सुधार पर तनखा समिति (वर्ष 2010)

खाली चुनावी वादों के दूरगामी प्रभाव होंगे। जो विचार सामने आया वह यह था कि चुनाव प्रहरी मूकदर्शक नहीं रह सकता और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन पर कुछ वादों के अवांछनीय प्रभाव को नजरअंदाज कर सकता है। चुनाव आयोग ने कहा कि एक निर्धारित प्रारूप में वादों का खुलासा सूचना की प्रकृति में मानकीकरण लाएगा और मतदाताओं

शहर के ठोस कचरे का प्रबंधन करने के लिए करनाल में बनेगा डंपिंग स्थल: सुधा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर शहर के ठोस कचरे का प्रबंधन करने के लिए करनाल में शीघ्र ही ठोस कचरा प्रोजेक्ट लगाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत डोर टू डोर कचरा एकत्रित करने के लिए एजेंसी का चयन सरकार की तरफ से कर लिया गया है। इसके लिए सरकार की तरफ से तेजी से कार्यवाही की जा रही है। इस प्रोजेक्ट के लगने के बाद कचरा प्रबंधन की समस्या दूर हो जाएगी।

विधायक सुभाष सुधा ने शुक्रवार को बातचीत करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को और गति प्रदान करने के लिए प्रदेश में कचरे के निस्तारण हेतु जल्द ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट स्थापित किये जाएंगे। प्रारंभिक चरण में भिवानी, सिरसा और करनाल क्लस्टर में यह प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप आधार पर एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं के अंतर्गत इन तीन क्लस्टरों के लिए तीन कार्यान्वयन एजेंसी के चयन को मंजूरी प्रदान की गई। इन क्लस्टर में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। यह परियोजनाएं ओपन टेक्नोलॉजी पर आधारित होंगी। ओपन टेक्नोलॉजी में एजेंसी द्वारा कचरे के निस्तारण के लिए बायो-मेथेनेशन प्लांट, कम्पोस्ट प्लांट और वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किये जा सकेंगे।

सरकार ने यह भी आदेश जारी किए हैं कि एजेंसी द्वारा कचरे का डोर टू डोर कलेक्शन, कचरे को द्वितीय स्तर तथा प्लांट तक पहुंचाना सख्ती से सुनिश्चित किया जाए, ताकि निवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए। यह परियोजनाएं दीर्घकालिक हैं। इसके तहत कचरे का कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन, प्रोसेसिंग और निस्तारण किया जाएगा। करनाल क्लस्टर में 16 शहरी स्थानीय निकायों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सूर्य ग्रहण और अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए शहर की सफाई व्यवस्था को अभी ओर ठीक करने की जरूरत है और कई जगहों से शिकायत भी मिल रही है कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन पूरी तरह नहीं हो पा रहा है। इस व्यवस्था को ठीक करना है और नप अधिकारी घर से कचरे का सही ढंग कलेक्शन करेंगे। इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इसके अलावा शहर के सभी मुख्य

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव और सूर्य ग्रहण पर बाहर से आने वाला प्रत्येक व्यक्ति होगा प्रशासन का मेहमान: शांतनु

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव और सूर्य ग्रहण के मेले में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्रशासन का मेहमान होगा। इस विषय को जहन में रखकर प्रशासन की तरफ से हर प्रकार की तैयारियां करने का प्रयास किया जा रहा है। इस महोत्सव के दौरान कुरुक्षेत्र की सभी धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिष्ठानों, मंदिरों, गुफ्दाराों पर संस्थाओं के सहयोग से रंग बिरंगी लाइट लगवाने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं सभी संस्थाओं से अपील की जा रही है कि सभी संस्थाएं अपने-अपने अधीनस्थ चौकों का सौंदर्यीकरण किया जाए।

उपायुक्त शांतनु शर्मा शुक्रवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव व सूर्य ग्रहण मेले को लेकर कुरुक्षेत्र की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की प्रतिनिधियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त शांतनु शर्मा, एडीसी अखिल पिलानी, एसपी कर्ण गोयल, एसडीएम सुरेन्द्र पाल, नगराधीश एवं सीईओ केडीबी चंद्रकांत कटारिया, केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 को यादगार और सफल बनाने के उद्देश्य से सुझाव आमंत्रित किए और सूर्य ग्रहण मेले के लिए भी सहयोग करने की अपील की है। उपायुक्त ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के शिल्प और सरस मेले का आयोजन 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक किया जाएगा और मुख्य कार्यक्रमों का आयोजन 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी संस्थाओं को महोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों के दौरान अपने-अपने प्रतिष्ठानों में लगातार कार्यक्रम करने का प्रयास करना चाहिए और केडीबी प्रशासन को हर संभव सहयोग भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अपने-अपने स्तर पर हर कार्यक्रम में भाग लेने का प्रयास करें और महोत्सव से पहले एक ऐसा माहौल तैयार करें कि हर कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तरफ खींचा चला आए। इससे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को और अधिक मुकाम मिलेगा। इस दौरान विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने गीता महोत्सव और सूर्य ग्रहण पर भंडारे लगाने, प्रदर्शनी लगाने, नगर शोभा यात्रा निकालने, दूर दराज से आने वाले पर्यटकों का स्वागत करने, अपने प्रतिष्ठानों पर लाइटिंग लगाने, दीप दान कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करने और चौकों पर लाइट लगाने जैसे विषयों को रखा है। इस दौरान संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने जो भी समस्याएं रखी उपायुक्त ने उनका समाधान करने का आश्वासन भी दिया।



मार्गों की सफाई की जाए। इस कार्य को पूरा करने के लिए नप अधिकारी पूरी योजना बनाएंगे ताकि शहर के हर कोने की सफाई की जा सके।

विधायक ने कहा कि शहर के सभी पार्क की व्यवस्था को ठीक किया जाए। इसके लिए सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी और दरोगा इस व्यवस्था पर पूरा फोकस रखकर काम को पूरा करवाएंगे। उन्होंने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि शहर के मुख्य मार्गों पर डंपिंग स्थल ना बनाए और कही भी पॉलिथीन ना फैके। इतना ही नहीं पॉलिथीन का प्रयोग करना बंद कर दे। लोगों के सहयोग के बिना इस शहर को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता है। सभी के सांझे सहयोग के साथ शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने नप अधिकारियों को भी सख्त आदेश दिए हैं कि जो व्यक्ति बार-बार समझाने के बाद भी शहर में गंदगी फैलाता है उसके खिलाफ कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से थानेसर हल्का के विकास पर कई 100 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा चुका है। इस सरकार ने थानेसर हल्का में शिक्षा पर फोकस करके किरमच और मैन बाजार में करोड़ों रुपए की लागत से स्कूलों के नए भवनों का निर्माण किया है। देश का पहला आयुष विश्वविद्यालय गांव फतेहपुर में बनाया जा रहा है। इसके अलावा खेड़ी रामनगर के पास नर्सिंग कालेज का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके अलावा शहर की सडक्ों का नवनिर्माण करने का कार्य किया गया। पिपली से थर्ड गेट तक निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है। रेलवे रोड, ढांड रोड, झांसा रोड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और जल्द ही केडीबी रोड और उमरी रोड का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।



महोत्सव के दौरान निरंतर चलने चाहिए गीता के श्लोक

संस्थाओं की तरफ से यह सुझाव रखा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ लगे माईक सिस्टम में भक्ति भजन तो चलते हैं लेकिन महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ माइक सिस्टम पर गीता के ग्रंथों का प्रसारण किया जाना चाहिए।

संस्थाओं को एक मंच पर जुड़ने के लिए केडीबी द्वारा तैयार किया जाएगा व्हाट्सएप ग्रुप

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव और सूर्य ग्रहण जैसे बड़े पर्व को लेकर कुरुक्षेत्र की समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप तैयार करने का भी एक सुझाव दिया गया है। इस सुझाव के आधार पर उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि केडीबी द्वारा शीघ्र ही एक व्हाट्सएप ग्रुप तैयार किया जाए जिसमें संस्थाओं के सभी प्रतिनिधियों के मोबाईल नम्बर जोड़े जाएंगे ताकि एक ही साथ सभी संस्थाओं को सभी सूचनाएं व जानकारी प्रेषित की जा सके। उन्होंने संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी संस्था का ईमेल पता व मोबाईल नम्बर व अन्य जानकारीयों केडीबी कार्यालय में शीघ्र अति शीघ्र जमा करवाने का प्रयास करें।

संस्थाओं के पास आने वाले मेहमानों और पर्यटकों को जरूर दिखाना चाहिए ज्योतिसर का लाईट एंड साउंड

केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि सरकार की तरफ से ज्योतिसर को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस तीर्थ स्थल पर अभी हाल में ही लाइट एंड साउंड स्थापित किया गया है और 10 करोड़ रुपए की लागत से भगवान श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप भी स्थापित किया गया है। इस विराट स्वरूप पर भी लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से लाइट एंड साउंड प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है। उन्होंने सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि उनके संस्थानों में आने वाले मेहमानों और पर्यटकों को ज्योतिसर का लाईट एंड साउंड जरूर दिखाने के लिए प्रेरित करें।

अंबाला-नई दिल्ली वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत कर सरकार ने दी दीपावली की नई सौगात: कटारिया



गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पूर्व केंद्रीय जल शक्ति व सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री व सांसद रतन लाल कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अम्बाला-नई दिल्ली वाया चंडीगढ़ वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन कर लोगों को दीपावली की सौगात दी है। रतनलाल कटारिया ने कहा कि चंडीगढ़ पहुंचने पर वंदे भारत एक्सप्रेस वे का हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात की व मंत्रिमंडल के सदस्यों, विधायकों के साथ अगले गंतव्य अंबाला पहुंचे। इस यात्रा के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस की खूबियों को जाना और इस रूट पर ट्रेन के संचालन के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

रतन लाल कटारिया ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रेल सेवा का विस्तार और उसको आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है और केंद्र सरकार ने 200 रेलवे स्टेशनों के कार्यक्रम के लिए मास्टर प्लान तैयार किया है। रेलवे स्टेशनों में आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। हरियाणा के रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। इस ट्रेन के चलने से दिल्ली जाने वाले और दक्षिण हरियाणा से चंडीगढ़ आने वाले यात्रियों को बहुत फायदा होगा। वंदे भारत ट्रेन में चंडीगढ़ से अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन तक रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव से बातचीत करके अंबाला लोक सभा के रेलवे से जुड़े विभिन्न मुद्दों को रेल मंत्री के ध्यान में लाया गया है। उत्तर भारत में रेलवे के

विकास के लिए अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाए जाने की आवश्यकता है। हम पिछले 30 वर्षों से यमुना नगर चंडीगढ़ रेलवे लाइन वाया नारायणगढ़ की मांग कर रहे हैं जिसकी कई बार सरकार ने भी घोषणा की है। रत्न लाल कटारिया ने रेलवे मंत्री का ध्यान कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन की और दिलाते हुए कहा की जिस तरह से हरियाणा सरकार और संत समाज गीता महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन दे रहा है। उस दृष्टि से कुरुक्षेत्र में रेलवे का आधार भूत ढांचा खड़ा किए बिना देश व् विदेश में पर्यटन को आकर्षित करने में सफलता नहीं मिलेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2022-23 में देश में अगले 3 सालों में भारत में 400 वंदे भारत ट्रेन की घोषणा की गई है, सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सर्वेक्षण करने और डीपीआर तैयार करने का निर्णय लिया है, माल गाडिप्ों के लिए दो डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाने की शुरुआत 1504 किलोमीटर का दादरी से मुंबई का वेस्टर्न कॉरिडोर जल्द पूरा हो सकता है, 1856 किलोमीटर के दानाकुनी से लुधियाना तक ईस्टन कॉरिडोर का काम चल रहा है, वित्त वर्ष 2021- 22 के दौरान नई लाइन दोहरीकरण गेज परिवर्तन में 2400 किलोमीटर लक्ष्य के मुकाबले 2904 किलोमीटर का लक्ष्य हासिल किया गया है। भारतीय रेल दुनिया में सबसे बड़ी हरित रेलवे बनने के लिए मिशन के रूप में काम कर रही है और वर्ष 2030 से पहले शून्य कार्बन उत्सर्जक बनने का दिशा में बढ़ रही है।

नेहरू युवा केंद्र 31 अक्टूबर-2022 तक आयोजित करेगा स्वच्छ भारत कार्यक्रम का करवाए गा आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक जिला कुरुक्षेत्र के सभी खंडों के विभिन्न गांव में स्वच्छ भारत 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल, आंगनवाड़ी, पंचायत घर की सफाई, सिंगल प्लास्टिक संग्रह आदि कार्यक्रमों का आयोजन ग्रामीण स्तर पर करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र की जिला युवा अधिकारी मिशा और लेखा एवं कार्यक्रम सुपरवाइजर कांता ने कहा महात्मा गांधी जी ने जिस भारत का अपना देखा था उसमे राजनीति आजादी ही नहीं बल्कि एक स्वच्छ और विकसित देश की

कल्पना भी थी।

उन्होंने बताया प्लास्टिक पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक है। प्रदूषित वातावरण मानव में विभिन्न रोगों का एक प्रमुख कारण है। इसलिए यह स्पष्ट है कि हम सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें एवं पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और सेवाओं के इस्तेमाल की तरफ अपने कदम बढ़ाएं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एमटीएस अमित शर्मा, राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक संदीप शर्मा, शिल्पा, अमनप्रीत, ऋतु, साहिल, शुभम, सुनील, मनप्रीत और युवा एवं खेल विकास मंडल की कोषाध्यक्ष विजेता सैनी, आजाद युवा एकता मंच के अध्यक्ष सुरेश सैनी, युवा साथी दीपक योगी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।



जरनैल सिंह रंगा, सम्पादक, गजब हरियाणा

